B.Com. (Hons)
P3 - A/cs & finance.
Paper - VI
Cost & Management Accounting.
Date - 10.07.2020

प्रो० धनंजय कुमार
सहायक प्राध्यापक
वाणिज्य विभाग
V.S.J. महाविद्यालय राजनगर
(मधुबनी)

UNIT - I

TOPIC - COST V/S FINANCIAL ACCOUNTING

वित्तीय लेखांकन व्यवसाय की लेन-देनों का हिसाब-किताब रखने का एक तरीका है. इसके अंतर्गत एक निश्चित अवधि के उपरान्त व्यवसाय के लाभ-हानि तथा आर्थिक स्थिति की जानकारी प्राप्त की जाती है. जबकि इसके विपरित वित्तीय लेखांकन से आंकड़े प्राप्त कर लागत लेखांकन के अन्तर्गत उसका विश्लेषण व वर्गीकरण किया जाता है. तथा लागत निर्धारण एवं लागत नियंत्रण का कार्य किया जाता है.

लेखांकन की ये दोनों प्रणालियाँ एक दूसरे के प्रतिस्पर्धी नहीं बल्कि पूरक होते हैं. फिर भी लागत लेखांकन व वित्तीय लेखांकन में कुछ समानताएँ होने के बावजूद भी दोनों लेखा विधियों में कुछ स्पष्ट अंतर पाया जाता है, जो निम्नलिखित है —

आधार	लागत लेखांकन	वित्तीय लेखांकन
1. अनिवार्यता	वैधानिक दृष्टिकोण से इन लेखों का रखना अनिवार्य नहीं है.	जबकि कंपनी अधिनियम के अनुसार इन लेखों का रखना अनिवार्य होता है.

Scanned with CamScanner

आधार	लागत लेखांकन	वित्तीय लेखांकन
2. व्यय का वर्गीकरण	इसके अंतर्गत विभिन्न प्रकार के खर्चों का विस्तृत वर्गीकरण करके प्रति इकाई लागत में गणना की जाती है।	जबकि इसके अंतर्गत केवल प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष व्यय को दिखाकर सकल लाभ व शुद्ध लाभ की गणना की जाती है।
3. नियंत्रण	इसके अंतर्गत सामग्री के नियंत्रण पर विशेष रूप से ध्यान दिया जाता है।	जबकि इसके अंतर्गत रोकड़ नियंत्रण पर विशेष ध्यान दिया जाता है।
4. क्षेत्र	इस लेखांकन का प्रयोग केवल निर्माणी व्यवसाय में किया जाता है।	जबकि इसका प्रयोग सभी प्रकार के व्यवसायों में प्रयोग किया जाता है।
5. खर्चे का स्वरूप	इसके अंतर्गत खर्चे का स्वरूप अनुमानित होते हैं।	जबकि इसमें खर्चे का स्वरूप वास्तविक होते हैं।
6. टेण्डर मूल्य का निर्धारण	इसके अंतर्गत टेण्डर मूल्य का निर्धारण करना आसान होता है।	जबकि इसके अंतर्गत टेण्डर मूल्य का निर्धारण करना संभव नहीं होता है।
7. अंकेक्षण	इस लेखांकन का अंकेक्षण आवश्यक नहीं होता है।	जबकि इसका अंकेक्षण कंपनी की स्थिति में करना अनिवार्य होता है।
8. स्थिति	यह लेखांकन वित्तीय लेखांकन के सहायक या पूरक होते हैं।	जबकि यह व्यवसाय के प्रधान लेखे होते हैं।
9. उद्देश्य	इस लेखांकन का उद्देश्य व्ययों को नियंत्रित कर लागत ज्ञात करना होता है।	जबकि इसका उद्देश्य संस्था की लाभदायकता एवं वित्तीय स्थिति पर प्रकाश डालना होता है।

Scanned with CamScanner

आधार	लागत लेखांकन	वित्तीय लेखांकन
10. अवधि	यह संस्था की [redacted] आवश्यकतानुसार मासिक, त्रैमासिक व अन्य अवधि के लिए तैयार किये जाते हैं।	जबकि यह लेखे सामान्यतः एक वर्ष की अवधि के लिए तैयार किये जाते हैं।
11. प्रस्तुतीकरण	इस लेखे का निर्माण ऐच्छिक रूप से सामान्यतः प्रबंध की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर किया जाता है।	जबकि इसका निर्माण कंपनी अधिनियम व कर-विधि के अनुरूप आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु तैयार किया जाता है।

Scanned with CamScanner